

<><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आर्थिक वृद्धि में एमएसएमई क्षेत्र की परिवर्तनकारी भूमिका पर चर्चा की, कहा— सरकार आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है।
- केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए पंचायती राज संस्थाओं में कौशल विकास की आवश्यकता पर बल दिया।
- श्री विजयपुरम में आतिथ्य इकाइयों के लिए स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम।
- सातवीं लघु सिंचाई जनगणना और जल निकायों की दूसरी जनगणना पर कार्यशाला आयोजित।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। सरकार सुधार की गति में तेजी लाई है। उन्होंने कहा कि देश ने पिछले दस वर्षों में सुधार, वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता तथा समेकित विकास के प्रति अपनी सतत वचनबद्धता का प्रदर्शन किया है। अर्थव्यवस्था में एम एस एम ई के महत्व को लेकर श्री मोदी ने आज कहा कि एम एस एम ई देश के आर्थिक विकास में परिवर्तनकारी भूमिका निभाते हैं।

विकास, विनिर्माण, निर्यात और परमाणु ऊर्जा मिशनों, विनियामक, निवेश और व्यवसाय करने की सुगमता में सुधार करने के रूप में श्री मोदी एम एस एम ई क्षेत्र पर बजट के बाद एक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। श्री मोदी ने कहा कि बजट में विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि निरंतरता और सुधारों के आश्वासन ने उद्योग में नए विश्वास को जगाया है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार के प्रयासों ने अर्थव्यवस्था पर कोविड के असर को कम किया है।

<><><><><><><>

केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि आज देशभर में करीब चौदह लाख महिलाएं पंचायती राज संस्थाओं से जुड़ी हैं। उन्होंने आज नई दिल्ली में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सशक्त पंचायत—नेत्री अभियान के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। श्री सिंह ने कहा कि सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदी योजनाओं समेत कई पहल की हैं। उन्होंने महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए पंचायती राज संस्थाओं में कौशल विकास की आवश्यकता पर भी बल दिया।

<><><><><><><>

स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम के अंतर्गत श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद होटल, रिसॉर्ट, होमस्टे और आतिथ्य इकाइयों का मूल्यांकन करेगी। यह पहल पेयजल और स्वच्छता विभाग और पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत मिशन और ट्रैवल फॉर लाइफ अभियान के तहत स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देती है। जी एल आर एस मूल्यांकन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत कल पहले चरण में डॉ बी आर अंबेडकर सभागार में ऑरिएन्टेशन, होटलों द्वारा स्व-मूल्यांकन और आठ मार्च को नगरपालिका परिषद की टीमों द्वारा औचक निरीक्षण के माध्यम से ऑन-फील्ड सत्यापन शुरू होगा। आतिथ्य इकाइयों से इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने और शहर को एक स्वच्छ, टिकाऊ पर्यटन स्थल बनाने में योगदान देने का अनुरोध किया गया है।

<><><><><><><>

सातवीं लघु सिंचाई जनगणना और जल निकायों की दूसरी जनगणना पर राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन श्री विजयपुरम स्थित कृषि निदेशालय में किया गया। इसका उद्देश्य जल के बारे में जागरूकता पैदा करना था, जो द्वीपसमूह में एक बहुत ही आवश्यक संसाधन है और सिंचाई के माध्यम से फसल उत्पादन को सक्षम करके कृषि अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। दोनों जनगणनाओं का उद्देश्य एक सटीक और व्यापक डेटाबेस बनाना है, जो न केवल विभिन्न योजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन के लिए बल्कि द्वीपसमूह के जल संसाधन के कुशल प्रबंधन के लिए भी उपकरण के रूप में काम करेगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अंडमान लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता अरुण कुमार ने कहा कि ऑनलाइन डेटाबेस भविष्य की विकासात्मक गतिविधियों के लिए बेहतर प्रबंधन और योजना बनाने में मदद करेगा। जल

